

साहित्य में नोबेल पुरस्कार- 2023

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में मानवीय भावनाओं को सरल शब्दों में व्यक्त करने वाले अनकही की आवाज़ जॉन फॉसे को "उनके अभिनव नाटकों और गद्य के लिये" साहित्य का [नोबेल पुरस्कार- 2023](#) दिया गया है।

नोट:

- वर्ष 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार रवीन्द्रनाथ टैगोर को "उनकी अत्यधिक संवेदनशील और सुंदर कविता" के लिये प्रदान किया गया था, जिसके द्वारा उन्होंने उत्कृष्ट कौशल के साथ अपने काव्य विचार को, अंग्रेज़ी जो पाश्चात्य साहित्य का एक अहम हिस्सा है, के शब्दों में व्यक्त किया।

जॉन फॉसे:

- जॉन फॉसे, नॉर्वे के लेखक और नाटककार हैं। फॉसे का कार्य उनकी नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क पृष्ठभूमि की भाषा और प्रकृति में नहिती है जो नॉर्वेजियन भाषा के दो आधिकारिक संस्करणों में आम बोलचाल में कम प्रयोग में लाया जाता है।
- जॉन फॉसे को उनकी लेखन शैली के लिये जाना जाता है, जिसे प्रायः "फॉसे मनिमिलज़िम" कहा जाता है।
- उनकी शैली की विशेषता सरल, न्यूनतम और मार्मिक संवाद है, उनकी तुलना सैमुअल बेकेट और हेरोल्ड पट्टर जैसे साहित्यिक दृग्गजों से की जाती है, जिन्हें पहले ही साहित्य में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।
 - उनके विषय बेतुकेपन, निरर्थकता और फरि भी मानव स्थितिकी शक्तिका पता लगाते हैं, दैनिक के भ्रम एवं विद्रोह करते हैं तथा वास्तविकि कनेक्शन बनाने में आने वाली कठनाई का पता लगाते हैं।
- फॉसे की उल्लेखनीय कृतियों में "ए न्यू नेम: सेप्टोलॉजी VI-VII," "आई एम द वडि," "मेलानचोली," "बोटहाउस," और "द डेड डॉग्स" शामिल हैं।

साहित्य के क्षेत्र में हाल के अन्य नोबेल पुरस्कार विजेता:

- वर्ष 2022:**
 - एनी एरनाक्स को "उस साहस और नैदानिक तीक्ष्णता के लिये जिसके साथ वह व्यक्तिगत स्मृति की जड़ों, अलगाव तथा सामूहिक बाधाओं को उजागर करती है"।
- वर्ष 2021:**
 - अब्दुलज़ाक गुरनाह को "उपनिवेशवाद के प्रभावों और संस्कृतियों तथा महाद्वीपों के खाड़ी देशों में शरणार्थियों की स्थितिके प्रति उनके दयालु एवं दृढ़ भावना के लिये।"
- वर्ष 2020:**
 - लुईस ग्लुक को "उनकी अचूक काव्यात्मक आवाज़ के लिये जो गंभीर सुंदरता के साथ व्यक्तिगत अस्तित्व को सार्वभौमिक बनाती है"।

नोबेल पुरस्कार 2023 की अन्य घोषणाओं का संदर्भ: [रसायन विज्ञान](#), [भौतिकी](#), [शरीर विज्ञान या चिकित्सा](#) में नोबेल पुरस्कार।

